वर्षफल 2027 — आपका आने वाला वर्ष

नमूना व्यक्ति

18/06/1995 07:45 Pune, Maharashtra, India

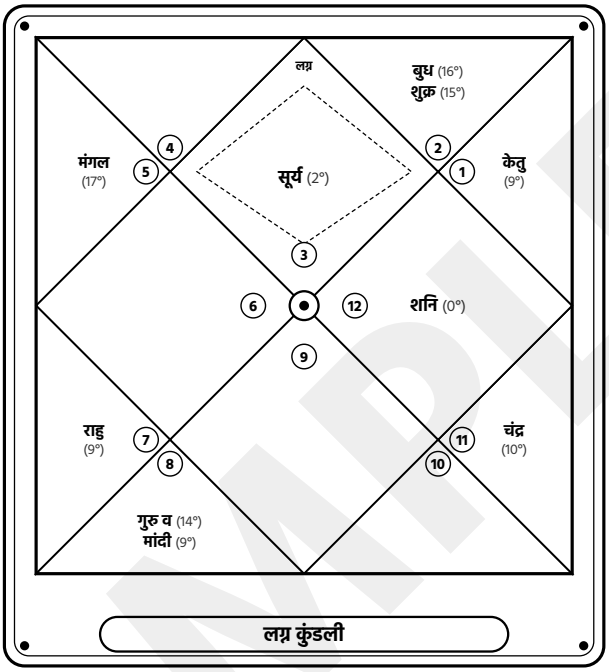

यह रिपोर्ट आपकी अपनी जन्म कुंडली के आधार पर वर्ष 2027 को समझाती है: वर्ष के दौरान चलने वाली वर्ष कुंडलियाँ उनके मुंथा और मुद्दा दशा के साथ, आपकी चंद्र राशि से हर महीने का ग्रह गोचर और चल रही दशा, शुभ और कठिन दिनों का व्यक्तिगत कैलेंडर, साढ़ेसाती और उपाय।

इस रिपोर्ट में: आपकी जन्म कुंडली · वर्ष की वर्ष कुंडलियाँ · महीने-दर-महीने भविष्यफल · आपका व्यक्तिगत कैलेंडर · साढ़ेसाती और शनि · उपाय

कृपया ध्यान से पढ़ें। ज्योतिष प्रवृत्तियाँ दिखाता है, निश्चितताएँ नहीं। इस भविष्यफल का उपयोग योजना के लिए करें, डर या जोखिम भरे निर्णयों के लिए कभी नहीं। स्वास्थ्य, धन, कानूनी या करियर संबंधी मामलों में हमेशा योग्य विशेषज्ञों से सलाह लें। गणना पूरी सावधानी से की गई है, फिर भी यह रिपोर्ट किसी भी प्रकार की स्पष्ट या निहित गारंटी या वारंटी के बिना दी जाती है। किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय से पहले अपने ज्योतिषी से सलाह अवश्य लें।

निर्मित: kyaboletaare.com

SAMPLE

जन्म विवरण

नाम	**नमूना व्यक्ति**	जन्म तिथि	**18/06/1995**
जन्म समय	**07:45:00**	स्थान	**Pune, Maharashtra, India**
अक्षांश / रेखांश	**18.5196 / 73.8554**	समय क्षेत्र	**UTC+05:30 IST**
जन्म का दिन	**रविवार**	सूर्योदय / सूर्यास्त	**06:00:17 / 19:12:48**
इष्टकाल (घटी)	**04:21:48**	अयनांश (लाहिड़ी)	**23:47:47**
लग्न	**मिथुन 25:50:01**	राशि (चंद्र राशि)	**कुंभ**
नक्षत्र	**शतभिषा (चरण 2)**	चंद्र राशि पाया	**रजत**
विंशोत्तरी शेष	**राहु 13 वर्ष 2 माह 10 दिन**		

जन्म के समय पंचांग

	जन्म के समय	आरंभ	समाप्ति
तिथि	**कृष्ण 6 (षष्ठी)**	17/06/1995 17:31	18/06/1995 16:05
नक्षत्र	**शतभिषा**	18/06/1995 01:31	19/06/1995 01:09
योग	**विष्कुंभ**	17/06/1995 10:57	18/06/1995 08:33
करण	**वणिज**	18/06/1995 04:42	18/06/1995 16:05
राशि	**कुंभ**	17/06/1995 14:00	19/06/1995 19:25

अवकहड़ा चक्र

वर्ण	वश्य	योनि	गण	नाड़ी	युंजा	तत्व
शूद्र	मानव	अश्व	राक्षस	आदि	अंत्य	वायु

SAMPLE

निरयन ग्रह स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	नक्षत्र	चरण	राशि स्वामी	नक्षत्र स्वामी	उप स्वामी	भाव	अवस्था
लग्न	मिथुन	25:50:01	पुनर्वसु	2	बुध	गुरु	केतु	1	-
सूर्य	मिथुन	02:36:43	मृगशिरा	3	बुध	मंगल	केतु	1	बाल
चंद्र	कुंभ	10:13:35	शतभिषा	2	शनि	राहु	गुरु	9	कुमार
मंगल	सिंह	17:38:50	पूर्वा फाल्गुनी	2	सूर्य	शुक्र	मंगल	3	युवा
बुध	वृषभ	16:02:25	रोहिणी	2	शुक्र	चंद्र	शनि	12	युवा
गुरु (व)	वृश्चिक	14:40:06	अनुराधा	4	मंगल	शनि	राहु	6	युवा
शुक्र	वृषभ	15:13:44	रोहिणी	2	शुक्र	चंद्र	गुरु	12	युवा
शनि	मीन	00:40:37	पूर्वा भाद्रपद	4	गुरु	गुरु	मंगल	10	मृत
राहु (व)	तुला	09:04:01	स्वाति	1	शुक्र	राहु	गुरु	5	कुमार
केतु (व)	मेष	09:04:01	अश्विनी	3	मंगल	केतु	गुरु	11	कुमार
यूरेनस (व)	मकर	05:56:35	उत्तराषाढ़ा	3	शनि	सूर्य	बुध	8	मृत
नेप्च्यून (व)	मकर	01:06:49	उत्तराषाढ़ा	2	शनि	सूर्य	राहु	8	मृत
प्लूटो (व)	वृश्चिक	04:40:32	अनुराधा	1	मंगल	शनि	शनि	6	मृत
मांदी	वृश्चिक	09:57:47	अनुराधा	2	मंगल	शनि	शुक्र	6	-
भाग्यबिंदु	मीन	03:26:53	उत्तरा भाद्रपद	1	गुरु	शनि	शनि	10	-

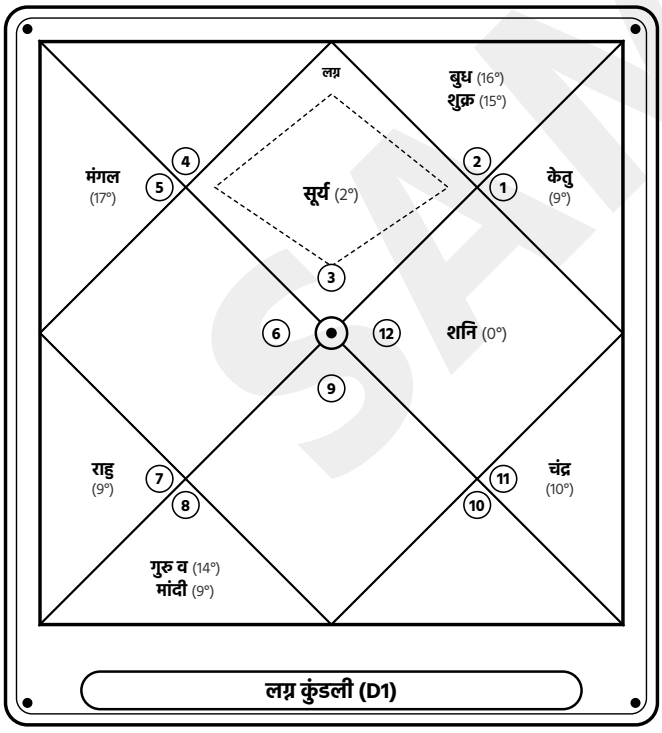

लग्न कुंडली (D1)

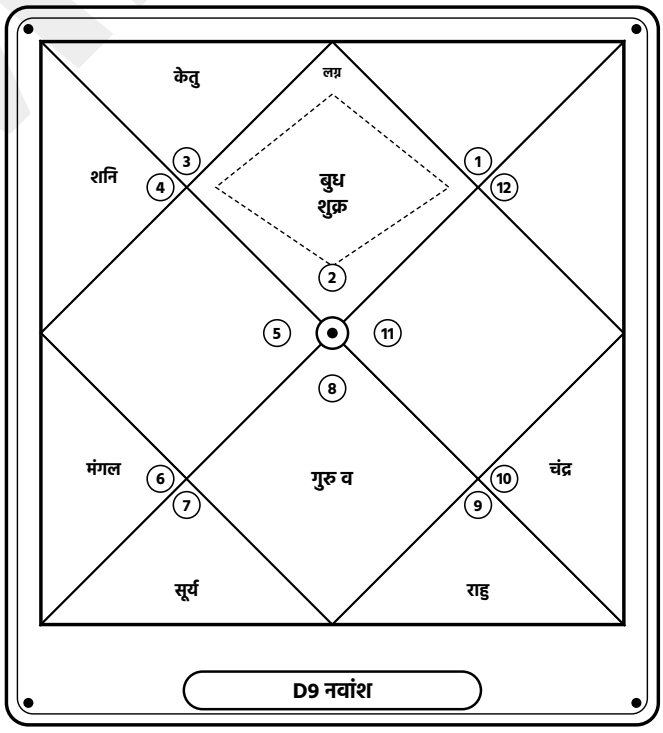

D9 नवांश

इस कुंडली में दोष:

चंद्र से मांगलिक दोष है (इसे सामान्यतः हल्का माना जाता है): मंगल आपके चंद्र से भाव 7 में है।

इनकी व्याख्या, उपायों सहित, आगे के पृष्ठों में दी गई है।

SAMPLE

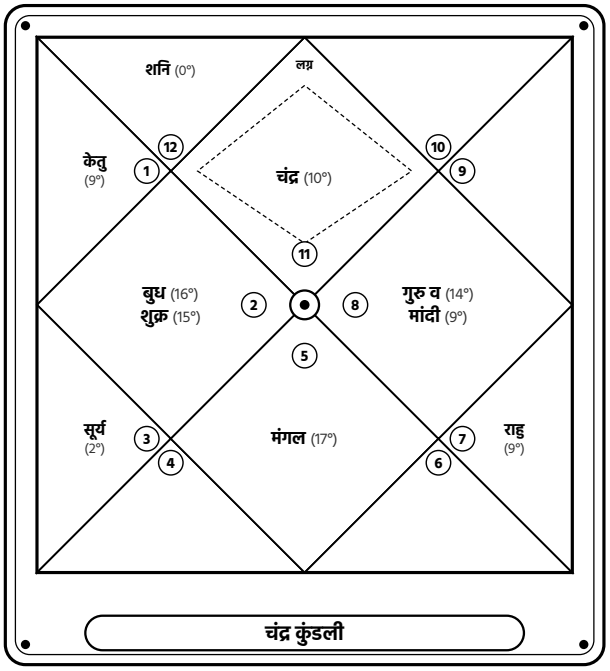

वर्गोत्तम ग्रह: बुध, गुरु, शुक्र

SAMPLE

वर्षफल (वार्षिक कुंडली)

वर्षफल वह वार्षिक कुंडली है जो हर वर्ष उस क्षण के लिए बनाई जाती है जब सूर्य ठीक अपनी जन्म-स्थिति पर लौटता है। इसका लग्न (वर्ष लग्न), मुंथा (एक बिंदु जो जन्म लग्न से हर वर्ष एक राशि आगे बढ़ता है) और वार्षिक मुद्दा दशा, जीवन के उस वर्ष के मुख्य विषय दिखाते हैं।

वर्षफल 2026–2027 (जीवन का 32वाँ वर्ष)

वर्ष प्रारंभ: **18/06/2026 06:30** वर्ष लग्न: **मिथुन 09:07:08** मुंथा: **मकर 25:50:01** (भाव 8)

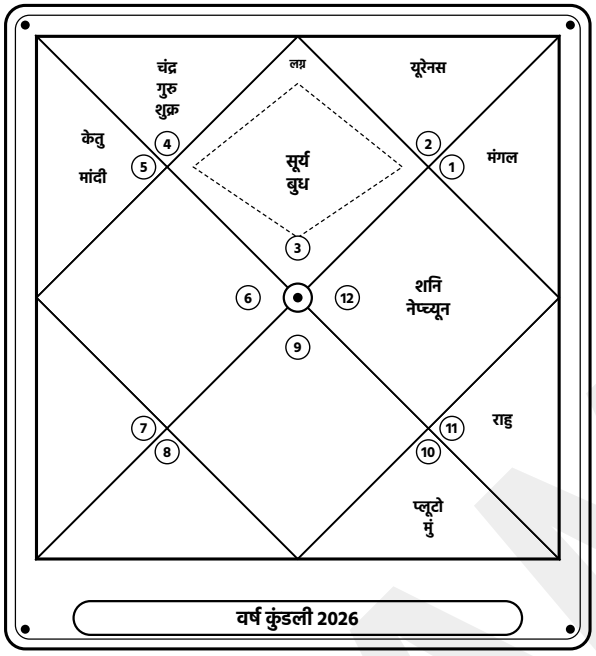

मुद्दा दशा	से	तक
शनि	18/06/2026	01/07/2026
बुध	01/07/2026	22/08/2026
केतु	22/08/2026	12/09/2026
शुक्र	12/09/2026	12/11/2026
सूर्य	12/11/2026	30/11/2026
चंद्र	30/11/2026	31/12/2026
मंगल	31/12/2026	21/01/2027
राहु	21/01/2027	17/03/2027
गुरु	17/03/2027	04/05/2027
शनि	04/05/2027	18/06/2027

ग्रह	राशि	अंश	भाव	नक्षत्र
सूर्य	मिथुन	02:36:43	1	मृगशिरा
चंद्र	कर्क	13:38:19	2	पुष्य
मंगल	मेष	28:01:34	11	कृत्तिका
बुध	मिथुन	26:58:50	1	पुनर्वसु
गुरु	कर्क	03:12:29	2	पुनर्वसु
शुक्र	कर्क	11:06:24	2	पुष्य
शनि	मीन	19:16:15	10	रेवती
राहु	कुंभ	09:02:31	9	शतभिषा
केतु	सिंह	09:02:31	3	मघा

आठवें भाव में मुंथा स्वास्थ्य, अचानक खर्च और जोखिम भरे कामों में सावधानी माँगता है।

वर्ष — एक-एक अवधि

शनि (18/06/2026 – 01/07/2026): वर्ष कुंडली के भाव 10 में, जो करियर, पद-प्रतिष्ठा और अधिकार का भाव है। वर्ष का यह भाग सामान्यतः सहायक रहता है, क्योंकि ग्रह वर्ष कुंडली के मज़बूत भाव में है।

बुध (01/07/2026 – 22/08/2026): वर्ष कुंडली के भाव 1 में, जो स्वास्थ्य, व्यक्तित्व और नई शुरुआत का भाव है। वर्ष का यह भाग सामान्यतः सहायक रहता है, क्योंकि ग्रह वर्ष कुंडली के मज़बूत भाव में है।

SAMPLE

केतु (22/08/2026 – 12/09/2026): वर्ष कुंडली के भाव 3 में, जो साहस, भाई-बहन, छोटी यात्राएँ और संवाद का भाव है। यह समय प्रयास से सुधरता है; जितनी मेहनत करेंगे, परिणाम उतने ही धीरे-धीरे बढ़ेंगे।

शुक्र (12/09/2026 – 12/11/2026): वर्ष कुंडली के भाव 2 में, जो धन, परिवार और वाणी का भाव है। यह समय धन, परिवार और वाणी से जुड़े मिले-जुले परिणाम लाता है।

सूर्य (12/11/2026 – 30/11/2026): वर्ष कुंडली के भाव 1 में, जो स्वास्थ्य, व्यक्तित्व और नई शुरुआत का भाव है। वर्ष का यह भाग सामान्यतः सहायक रहता है, क्योंकि ग्रह वर्ष कुंडली के मज़बूत भाव में है।

चंद्र (30/11/2026 – 31/12/2026): वर्ष कुंडली के भाव 2 में, जो धन, परिवार और वाणी का भाव है। यह समय धन, परिवार और वाणी से जुड़े मिले-जुले परिणाम लाता है।

मंगल (31/12/2026 – 21/01/2027): वर्ष कुंडली के भाव 11 में, जो आय, लाभ, मित्र और इच्छापूर्ति का भाव है। यह समय प्रयास से सुधरता है; जितनी मेहनत करेंगे, परिणाम उतने ही धीरे-धीरे बढ़ेंगे।

राहु (21/01/2027 – 17/03/2027): वर्ष कुंडली के भाव 9 में, जो भाग्य, पिता, गुरु, धर्म और लंबी यात्राएँ का भाव है। वर्ष का यह भाग सामान्यतः सहायक रहता है, क्योंकि ग्रह वर्ष कुंडली के मज़बूत भाव में है।

गुरु (17/03/2027 – 04/05/2027): वर्ष कुंडली के भाव 2 में, जो धन, परिवार और वाणी का भाव है। यह समय धन, परिवार और वाणी से जुड़े मिले-जुले परिणाम लाता है।

शनि (04/05/2027 – 18/06/2027): वर्ष कुंडली के भाव 10 में, जो करियर, पद-प्रतिष्ठा और अधिकार का भाव है। वर्ष का यह भाग सामान्यतः सहायक रहता है, क्योंकि ग्रह वर्ष कुंडली के मज़बूत भाव में है।

SAMPLE

वर्षफल 2027–2028 (जीवन का 33वाँ वर्ष)

वर्ष प्रारंभ: **18/06/2027 12:35** वर्ष लग्न: **कन्या 02:33:02** मुंथा: **कुंभ 25:50:01** (भाव 6)

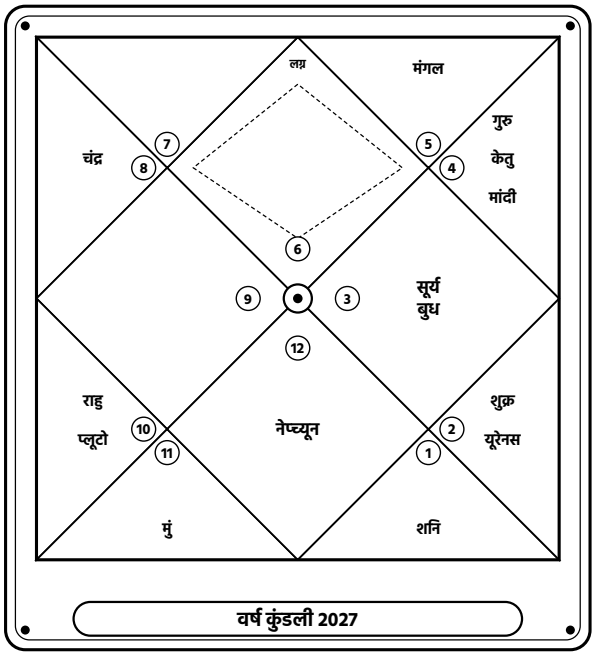

मुद्दा दशा	से	तक
बुध	18/06/2027	10/07/2027
केतु	10/07/2027	31/07/2027
शुक्र	31/07/2027	30/09/2027
सूर्य	30/09/2027	18/10/2027
चंद्र	18/10/2027	18/11/2027
मंगल	18/11/2027	09/12/2027
राहु	09/12/2027	02/02/2028
गुरु	02/02/2028	22/03/2028
शनि	22/03/2028	18/05/2028
बुध	18/05/2028	17/06/2028

ग्रह	राशि	अंश	भाव	नक्षत्र
सूर्य	मिथुन	02:36:43	10	मृगशिरा
चंद्र	वृश्चिक	24:22:48	3	ज्येष्ठा
मंगल	सिंह	21:11:58	12	पूर्वा फाल्गुनी
बुध (व)	मिथुन	10:10:26	10	आर्द्रा
गुरु	कर्क	28:42:41	11	आश्लेषा
शुक्र	वृषभ	17:40:39	9	रोहिणी
शनि	मेष	01:22:31	8	अश्विनी
राहु	मकर	19:41:07	5	श्रवण
केतु	कर्क	19:41:07	11	आश्लेषा

छठे भाव में मुंथा स्वास्थ्य, कर्ज़ और विवादों में सावधानी माँगता है; परिश्रम से जीत मिलती है।

वर्ष — एक-एक अवधि

बुध (18/06/2027 – 10/07/2027): वर्ष कुंडली के भाव 10 में, जो करियर, पद-प्रतिष्ठा और अधिकार का भाव है। वर्ष का यह भाग सामान्यतः सहायक रहता है, क्योंकि ग्रह वर्ष कुंडली के मज़बूत भाव में है।

केतु (10/07/2027 – 31/07/2027): वर्ष कुंडली के भाव 11 में, जो आय, लाभ, मित्र और इच्छापूर्ति का भाव है। यह समय प्रयास से सुधरता है; जितनी मेहनत करेंगे, परिणाम उतने ही धीरे-धीरे बढ़ेंगे।

शुक्र (31/07/2027 – 30/09/2027): वर्ष कुंडली के भाव 9 में, जो भाग्य, पिता, गुरु, धर्म और लंबी यात्राएँ का भाव है। वर्ष का यह भाग सामान्यतः सहायक रहता है, क्योंकि ग्रह वर्ष कुंडली के मज़बूत भाव में है।

सूर्य (30/09/2027 – 18/10/2027): वर्ष कुंडली के भाव 10 में, जो करियर, पद-प्रतिष्ठा और अधिकार का भाव है। वर्ष का यह भाग सामान्यतः सहायक रहता है, क्योंकि ग्रह वर्ष कुंडली के मज़बूत भाव में है।

चंद्र (18/10/2027 – 18/11/2027): वर्ष कुंडली के भाव 3 में, जो साहस, भाई-बहन, छोटी यात्राएँ और संवाद का भाव है। यह

SAMPLE

समय प्रयास से सुधरता है; जितनी मेहनत करेंगे, परिणाम उतने ही धीरे-धीरे बढ़ेंगे।

मंगल (18/11/2027 – 09/12/2027): वर्ष कुंडली के भाव 12 में, जो खर्च, विदेश, आध्यात्मिक जीवन और नींद का भाव है। यह समय सावधानी और धैर्य माँगता है, क्योंकि ग्रह वर्ष कुंडली के कठिन भाव में है।

राहु (09/12/2027 – 02/02/2028): वर्ष कुंडली के भाव 5 में, जो संतान, शिक्षा, बुद्धि और रचनात्मकता का भाव है। वर्ष का यह भाग सामान्यतः सहायक रहता है, क्योंकि ग्रह वर्ष कुंडली के मज़बूत भाव में है।

गुरु (02/02/2028 – 22/03/2028): वर्ष कुंडली के भाव 11 में, जो आय, लाभ, मित्र और इच्छापूर्ति का भाव है। यह समय प्रयास से सुधरता है; जितनी मेहनत करेंगे, परिणाम उतने ही धीरे-धीरे बढ़ेंगे।

शनि (22/03/2028 – 18/05/2028): वर्ष कुंडली के भाव 8 में, जो अचानक परिवर्तन, शोध, विरासत और आयु का भाव है। यह समय सावधानी और धैर्य माँगता है, क्योंकि ग्रह वर्ष कुंडली के कठिन भाव में है।

बुध (18/05/2028 – 17/06/2028): वर्ष कुंडली के भाव 10 में, जो करियर, पद-प्रतिष्ठा और अधिकार का भाव है। वर्ष का यह भाग सामान्यतः सहायक रहता है, क्योंकि ग्रह वर्ष कुंडली के मज़बूत भाव में है।

SAMPLE

मासिक भविष्यफल (गोचर)

ये भविष्यफल सूर्य, मंगल, गुरु, शनि और राहु के राशियों से गोचर पर आधारित हैं, जिसे आपकी चंद्र राशि (कुंभ) से गिना गया है, और साथ में आपकी चल रही दशा पर। गोचर हर महीने का माहौल दिखाता है; दशा मुख्य कहानी बताती है।

जनवरी 2027 — सावधानी का महीना

चल रही दशा: शनि – शनि

- **सूर्य** मकर में (चंद्रमा से भाव 12): बारहवें भाव में सूर्य खर्च, यात्रा और कम ऊर्जा ला सकता है। आराम करें और विवादों से बचें।
- **मंगल** सिंह में (चंद्रमा से भाव 7): सातवें भाव में मंगल जीवनसाथी या साझेदारों से बहस करा सकता है।
- **गुरु** सिंह में (चंद्रमा से भाव 7): सातवें भाव में गुरु विवाह, साझेदारी और यात्रा के लिए शुभ है।
    - **जीवनसाथी और वैवाहिक जीवन** — क्या हो सकता है: जीवनसाथी से समझ, प्रेम और सहयोग। इसे ऐसा ही बनाए रखने के लिए: रोज़ धैर्य से बात करें, निजी बातों में बाहर के लोगों को न आने दें और हर सप्ताह साथ समय तय करें।
    - **विवाह की संभावनाएँ** — क्या हो सकता है: अच्छे प्रस्ताव और विवाह की बातचीत में प्रगति। इसे ऐसा ही बनाए रखने के लिए: व्यक्ति और परिवार को जानने के लिए समय लें, शांति से अनुकूलता जाँचें और जल्दबाज़ी न करें।
    - **व्यापारिक साझेदारी** — क्या हो सकता है: लाभदायक गठबंधन और भरोसेमंद साझेदार। इसे ऐसा ही बनाए रखने के लिए: हर शर्त लिखित में रखें और हस्ताक्षर से पहले क़ानूनी सलाह लें।
- **शनि** मीन में (चंद्रमा से भाव 2): चंद्रमा से दूसरे भाव में शनि साढ़ेसाती का अंतिम चरण है। धन और पारिवारिक संबंधों पर ध्यान दें।
    - **बचत और हाथ में धन** — क्या हो सकता है: धन का हाथ से निकल जाना या बचत में देरी। क्या सहायक है: मासिक बजट रखें, पहले बचत करें फिर खर्च करें। निवेश या उधार देने से पहले योग्य वित्तीय सलाहकार से सलाह लें।
    - **पारिवारिक जीवन** — क्या हो सकता है: छोटी बातों पर निकट संबंधियों से मतभेद। क्या सहायक है: संभव हो तो साथ भोजन करें, ताने देने से बचें और रिश्तेदारों के बीच पैसों के मामले लिखित में तय करें।
    - **वाणी और संवाद** — क्या हो सकता है: कठोर शब्द या ग़लतफ़हमी। क्या सहायक है: बोलने से पहले सोचें, बहस से बचें और महत्वपूर्ण बातें लिखित में रखें।
- **राहु** मकर में (चंद्रमा से भाव 12): बारहवें भाव में राहु खर्च और यात्रा ला सकता है।
    - **खर्च** — क्या हो सकता है: अनियोजित या भारी खर्च। क्या सहायक है: बजट रखें, आवेग में खरीदारी से बचें और आपातकालीन कोष बनाए रखें।
    - **विदेश और यात्रा** — क्या हो सकता है: वीज़ा और यात्रा में देरी या कागज़ी अड़चनें। क्या सहायक है: कागज़ात व्यवस्थित रखें और केवल अधिकृत एजेंटों का उपयोग करें।
    - **नींद और विश्राम** — क्या हो सकता है: बिगड़ी नींद या रात की चिंताएँ। क्या सहायक है: सोने का समय तय रखें, सोने से पहले स्क्रीन से बचें और हल्का रात्रि-भोजन करें।

फ़रवरी 2027 — सावधानी का महीना

चल रही दशा: शनि – शनि

- **सूर्य** कुंभ में (चंद्रमा से भाव 1): सूर्य आपकी चंद्र राशि पर से गुज़र रहा है। ऊर्जा कम और स्वभाव में चिड़चिड़ापन रह सकता है; वरिष्ठों से टकराव टालें और पूरा आराम करें।
- **मंगल** सिंह में (चंद्रमा से भाव 7): सातवें भाव में मंगल जीवनसाथी या साझेदारों से बहस करा सकता है।
- **गुरु** कर्क में (चंद्रमा से भाव 6): छठे भाव में गुरु स्वास्थ्य की चिंता या विवाद ला सकता है। कर्ज़ के मामलों में सावधान

SAMPLE

रहें।
    - **प्रतिद्वंद्वी और प्रतिस्पर्धा** — क्या हो सकता है: कड़ा विरोध या दफ़्तर की राजनीति। क्या सहायक है: शांत रहें, अपने काम का रिकॉर्ड रखें और गपशप से बचें।
    - **कर्ज़ और ऋण** — क्या हो सकता है: कर्ज़ या किस्तों का दबाव। क्या सहायक है: भुगतान की योजना पहले से बनाएँ, नया कर्ज़ न लें और देरी की आशंका हो तो ऋणदाता से जल्दी बात करें।
    - **स्वास्थ्य और दैनिक दिनचर्या** — क्या हो सकता है: पाचन, तनाव से जुड़ी या बार-बार होने वाली छोटी शिकायतें। क्या सहायक है: हल्का खाएँ, व्यायाम करें और नियमित जाँच कराएँ। डॉक्टर को जल्दी दिखाएँ; केवल उपायों पर निर्भर न रहें।

- **शनि** मीन में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 2), फल ऊपर बताए अनुसार।
- **राहु** मकर में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 12), फल ऊपर बताए अनुसार।

मार्च 2027 — सावधानी का महीना

चल रही दशा: शनि – शनि

- **सूर्य** मीन में (चंद्रमा से भाव 2): चंद्रमा से दूसरे भाव में सूर्य अतिरिक्त खर्च और पारिवारिक बातचीत में तनाव ला सकता है। नरमी से बोलें और आँखों का ध्यान रखें।
- **मंगल** कर्क में (चंद्रमा से भाव 6): छठे भाव में मंगल शुभ है। आप विरोधियों को हराते हैं और कड़ी मेहनत से लाभ पाते हैं।
- **गुरु** कर्क में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 6), फल ऊपर बताए अनुसार।
- **शनि** मीन में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 2), फल ऊपर बताए अनुसार।
- **राहु** मकर में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 12), फल ऊपर बताए अनुसार।

अप्रैल 2027 — सावधानी का महीना

चल रही दशा: शनि – शनि

- **सूर्य** मेष में (चंद्रमा से भाव 3): चंद्रमा से तीसरे भाव में सूर्य शुभ है। साहस, प्रयासों में सफलता और वरिष्ठों से सराहना की संभावना है।
- **मंगल** कर्क में (चंद्रमा से भाव 6): छठे भाव में मंगल शुभ है। आप विरोधियों को हराते हैं और कड़ी मेहनत से लाभ पाते हैं।
- **गुरु** कर्क में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 6), फल ऊपर बताए अनुसार।
- **शनि** मीन में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 2), फल ऊपर बताए अनुसार।
- **राहु** मकर में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 12), फल ऊपर बताए अनुसार।

मई 2027 — सावधानी का महीना

चल रही दशा: शनि – शनि

- **सूर्य** मेष में (चंद्रमा से भाव 3): चंद्रमा से तीसरे भाव में सूर्य शुभ है। साहस, प्रयासों में सफलता और वरिष्ठों से सराहना की संभावना है।
- **मंगल** सिंह में (चंद्रमा से भाव 7): सातवें भाव में मंगल जीवनसाथी या साझेदारों से बहस करा सकता है।
- **गुरु** कर्क में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 6), फल ऊपर बताए अनुसार।
- **शनि** मीन में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 2), फल ऊपर बताए अनुसार।
- **राहु** मकर में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 12), फल ऊपर बताए अनुसार।

जून 2027 — सावधानी का महीना

चल रही दशा: शनि – शनि

- **सूर्य** वृषभ में (चंद्रमा से भाव 4): चौथे भाव में सूर्य घर की शांति भंग कर सकता है और यात्रा या संपत्ति की चिंता ला सकता है। घर में शांत रहें।
- **मंगल** सिंह में (चंद्रमा से भाव 7): सातवें भाव में मंगल जीवनसाथी या साझेदारों से बहस करा सकता है।
- **गुरु** कर्क में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 6), फल ऊपर बताए अनुसार।

SAMPLE

- **शनि** मेष में (चंद्रमा से भाव 3): तीसरे भाव में शनि शुभ है: मेहनत से सफलता, प्रतिद्वंद्वियों पर विजय और लाभ।
    - **साहस और प्रयास** — क्या हो सकता है: अतिरिक्त साहस और जो शुरू करें उसे पूरा करने की ऊर्जा। इसे ऐसा ही बनाए रखने के लिए: छोटे दैनिक लक्ष्य रखें और अगला काम शुरू करने से पहले एक काम पूरा करें।
    - **छोटे भाई-बहन** — क्या हो सकता है: छोटे भाई-बहनों से निकटता और सहयोग। इसे ऐसा ही बनाए रखने के लिए: संपर्क में रहें, हिसाब रखे बिना मदद करें और संपत्ति या पैसों के मामले आपस में स्पष्ट रखें।
    - **छोटी यात्राएँ** — क्या हो सकता है: उपयोगी और सुखद छोटी यात्राएँ। इसे ऐसा ही बनाए रखने के लिए: पहले से योजना बनाएँ, कागज़ात तैयार रखें और सावधानी से वाहन चलाएँ।
- **राहु** मकर में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 12), फल ऊपर बताए अनुसार।

जुलाई 2027 — मिला-जुला महीना

चल रही दशा: शनि – शनि

- **सूर्य** मिथुन में (चंद्रमा से भाव 5): पाँचवें भाव में सूर्य मानसिक तनाव और संतान को लेकर चिंता ला सकता है। सट्टे से बचें।
- **मंगल** कन्या में (चंद्रमा से भाव 8): आठवें भाव में मंगल स्वास्थ्य, चोट और अचानक खर्च के मामले में सावधानी माँगता है।
- **गुरु** सिंह में (चंद्रमा से भाव 7): सातवें भाव में गुरु विवाह, साझेदारी और यात्रा के लिए शुभ है।
    - **ग्राहक और जनता से व्यवहार** — क्या हो सकता है: ग्राहकों, क्लाइंट और जनता से अच्छा प्रतिसाद। इसे ऐसा ही बनाए रखने के लिए: विनम्र रहें, वचन निभाएँ और समझौतों का उचित रिकॉर्ड रखें।
    - **समझौते और अनुबंध** — क्या हो सकता है: अनुकूल समझौते और सहज बातचीत। इसे ऐसा ही बनाए रखने के लिए: हर धारा पढ़ें, हस्ताक्षर से पहले प्रश्न पूछें और प्रतियाँ रखें।
    - **जीवनसाथी और वैवाहिक जीवन** — क्या हो सकता है: जीवनसाथी से समझ, प्रेम और सहयोग। इसे ऐसा ही बनाए रखने के लिए: रोज़ धैर्य से बात करें, निजी बातों में बाहर के लोगों को न आने दें और हर सप्ताह साथ समय तय करें।
- **शनि** मेष में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 3), फल ऊपर बताए अनुसार।
- **राहु** मकर में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 12), फल ऊपर बताए अनुसार।

अगस्त 2027 — शुभ महीना

चल रही दशा: शनि – शनि

- **सूर्य** कर्क में (चंद्रमा से भाव 6): छठे भाव में सूर्य शुभ है। आप प्रतिद्वंद्वियों पर भारी पड़ते हैं, स्वास्थ्य सुधरता है और अधिकारियों का सहयोग मिलता है।
- **मंगल** कन्या में (चंद्रमा से भाव 8): आठवें भाव में मंगल स्वास्थ्य, चोट और अचानक खर्च के मामले में सावधानी माँगता है।
- **गुरु** सिंह में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 7), फल ऊपर बताए अनुसार।
- **शनि** मेष में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 3), फल ऊपर बताए अनुसार।
- **राहु** मकर में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 12), फल ऊपर बताए अनुसार।

सितंबर 2027 — मिला-जुला महीना

चल रही दशा: शनि – बुध

- **सूर्य** सिंह में (चंद्रमा से भाव 7): सातवें भाव में सूर्य जीवनसाथी या साझेदारों से अनबन और थकाने वाली यात्रा दे सकता है। धैर्य रखें।
- **मंगल** तुला में (चंद्रमा से भाव 9): नौवें भाव में मंगल बाधाएँ और बड़ों से मतभेद ला सकता है।
- **गुरु** सिंह में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 7), फल ऊपर बताए अनुसार।
- **शनि** मेष में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 3), फल ऊपर बताए अनुसार।
- **राहु** मकर में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 12), फल ऊपर बताए अनुसार।

SAMPLE

अक्टूबर 2027 — मिला-जुला महीना

चल रही दशा: शनि – बुध

- **सूर्य** कन्या में (चंद्रमा से भाव 8): आठवें भाव में सूर्य स्वास्थ्य, खर्च और सरकारी मामलों में सावधानी माँगता है।
- **मंगल** वृश्चिक में (चंद्रमा से भाव 10): दसवें भाव में मंगल कामकाज में मिले-जुले फल देता है: काम आगे बढ़ सकता है, पर वरिष्ठों से टकराव से बचें।
- **गुरु** सिंह में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 7), फल ऊपर बताए अनुसार।
- **शनि** मेष में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 3), फल ऊपर बताए अनुसार।
- **राहु** मकर में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 12), फल ऊपर बताए अनुसार।

नवंबर 2027 — सावधानी का महीना

चल रही दशा: शनि – बुध

- **सूर्य** तुला में (चंद्रमा से भाव 9): नौवें भाव में सूर्य पिता या गुरुजनों से मतभेद और भाग्य में कमी ला सकता है। विनम्र रहें।
- **मंगल** वृश्चिक में (चंद्रमा से भाव 10): दसवें भाव में मंगल कामकाज में मिले-जुले फल देता है: काम आगे बढ़ सकता है, पर वरिष्ठों से टकराव से बचें।
- **गुरु** सिंह में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 7), फल ऊपर बताए अनुसार।
- **शनि** मीन में (चंद्रमा से भाव 2): चंद्रमा से दूसरे भाव में शनि साढ़ेसाती का अंतिम चरण है। धन और पारिवारिक संबंधों पर ध्यान दें।
    - **भोजन और खान-पान की आदतें** — क्या हो सकता है: अनियमित खान-पान या अति। क्या सहायक है: समय पर खाएँ, सादा भोजन रखें और रात में भारी भोजन से बचें।
    - **पारिवारिक संपत्ति और कीमती वस्तुएँ** — क्या हो सकता है: पारिवारिक संपत्ति को लेकर चिंता या पारिवारिक बँटवारे में देरी। क्या सहायक है: कीमती चीज़ें सुरक्षित रखें, कागज़ात व्यवस्थित रखें और पारिवारिक संपत्ति पर शांति से खुलकर बात करें।
    - **बचत और हाथ में धन** — क्या हो सकता है: धन का हाथ से निकल जाना या बचत में देरी। क्या सहायक है: मासिक बजट रखें, पहले बचत करें फिर खर्च करें। निवेश या उधार देने से पहले योग्य वित्तीय सलाहकार से सलाह लें।
- **राहु** मकर में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 12), फल ऊपर बताए अनुसार।

दिसंबर 2027 — सावधानी का महीना

चल रही दशा: शनि – बुध

- **सूर्य** वृश्चिक में (चंद्रमा से भाव 10): दसवें भाव में सूर्य करियर, मान-सम्मान और सरकारी कामों में सफलता के लिए बहुत शुभ है।
- **मंगल** धनु में (चंद्रमा से भाव 11): ग्यारहवें भाव में मंगल लाभ, संपत्ति और योजनाओं की पूर्ति के लिए शुभ है।
- **गुरु** कन्या में (चंद्रमा से भाव 8): आठवें भाव में गुरु धैर्य माँगता है; बाधाओं और स्वास्थ्य की देखभाल पर ध्यान दें।
    - **अचानक बदलाव** — क्या हो सकता है: अचानक बदलाव या आश्चर्य जो योजनाओं को हिला दें। क्या सहायक है: महत्वपूर्ण बातों के लिए एक छोटा आपातकालीन कोष और वैकल्पिक योजना रखें।
    - **विरासत और साझा धन** — क्या हो सकता है: विरासत या साझा धन में देरी या विवाद। क्या सहायक है: वसीयत और कागज़ात स्पष्ट रखें और किसी भी समझौते से पहले क़ानूनी सलाह लें।
    - **शोध और गूढ़ विषय** — क्या हो सकता है: भ्रम या अत्यधिक चिंता। क्या सहायक है: नियमित दिनचर्या रखें और अति या जोखिम भरी साधनाओं से बचें।
- **शनि** मीन में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 2), फल ऊपर बताए अनुसार।
- **राहु** मकर में बना हुआ है (चंद्रमा से भाव 12), फल ऊपर बताए अनुसार।

आधार: मंत्रेश्वर की फलदीपिका (लगभग 14वीं शताब्दी) — गोचर के फल; वराहमिहिर का बृहज्जातक (छठी शताब्दी) — चंद्रमा से ग्रहों का गोचर; रामदैवज्ञ का मुहूर्त चिंतामणि — गोचर के नियम।

SAMPLE

आपका व्यक्तिगत कैलेंडर

मुहूर्त परंपरा के अनुसार वे दिन शुभ माने गए हैं जब चंद्रमा आपके जन्म नक्षत्र से गिनने पर अनुकूल नक्षत्र में हो (तारा बल) और आपकी चंद्र राशि से गिनने पर अनुकूल भाव में हो (चंद्र बल)। महत्वपूर्ण काम की शुरुआत, यात्रा, खरीदारी और मुलाकातों के लिए इन दिनों का उपयोग करें; सावधानी वाले दिनों में कोई बड़ा काम शुरू न करें।

जनवरी 2027

शुभ दिन: 5, 7, 8, 11, 12, 13, 17, 22, 23, 25
सावधानी के दिन: 9, 14, 18, 26

फ़रवरी 2027

शुभ दिन: 1, 2, 4, 8, 9, 13, 20, 22, 27
सावधानी के दिन: 5, 10, 23

मार्च 2027

शुभ दिन: 1, 3, 7, 8, 13, 19, 21, 28, 30
सावधानी के दिन: 4, 10, 14, 22

अप्रैल 2027

शुभ दिन: 3, 4, 5, 9, 14, 17, 24, 27
सावधानी के दिन: 1, 6, 10, 28

मई 2027

शुभ दिन: 1, 2, 6, 13, 15, 20, 22, 24, 28, 29
सावधानी के दिन: 3, 7, 16, 25, 31

जून 2027

शुभ दिन: 3, 9, 11, 18, 20, 24, 25, 26, 30
सावधानी के दिन: 4, 12, 27

जुलाई 2027

शुभ दिन: 5, 6, 8, 15, 17, 18, 21, 22, 23, 27
सावधानी के दिन: 1, 9, 19, 24

अगस्त 2027

शुभ दिन: 3, 5, 12, 14, 18, 19, 24, 30
सावधानी के दिन: 15, 20, 21, 25

सितंबर 2027

शुभ दिन: 1, 6, 8, 10, 14, 15, 20, 25, 27, 28
सावधानी के दिन: 2, 11, 17, 21

अक्टूबर 2027

शुभ दिन: 5, 7, 11, 12, 13, 17, 24, 26, 31
सावधानी के दिन: 9, 14, 18, 27

SAMPLE

नवंबर 2027

शुभ दिन: 2, 4, 8, 9, 13, 20, 22, 29
सावधानी के दिन: 5, 10, 23

दिसंबर 2027

शुभ दिन: 1, 5, 6, 11, 16, 17, 19, 26, 28
सावधानी के दिन: 2, 8, 12, 20, 30

आधार: रामदैवज्ञ का मुहूर्त चिंतामणि — तारा बल और चंद्र बल।

SAMPLE

आपके जीवन में शनि साढ़ेसाती

शनि को एक राशि पार करने में लगभग ढाई वर्ष लगते हैं। जब वह आपकी चंद्र राशि से पिछली राशि, आपकी चंद्र राशि और उससे अगली राशि से गुज़रता है, तो साढ़े सात वर्ष की इस अवधि को साढ़ेसाती कहते हैं। यह केवल कठिनाई का नहीं, बल्कि ज़िम्मेदारी, मेहनत और भीतरी विकास का समय है। बहुत से लोग ईमानदारी और धैर्य से काम करके साढ़ेसाती के दौरान स्थायी उपलब्धियाँ पाते हैं।

अभी चल रही है: साढ़ेसाती — शनि मीन में, 03/06/2027 तक। तीसरा चरण (चंद्रमा से दूसरे भाव में शनि): पारिवारिक ज़िम्मेदारियाँ और आर्थिक मामले केंद्र में आते हैं। सोच-समझकर बोलना, बचत करना और ईमानदार व्यवहार राहत देते हैं। चरण के अंत के साथ प्रभाव धीरे-धीरे हल्के होते जाते हैं।

तीन चरण

पहला चरण (चंद्रमा से बारहवें भाव में शनि): खर्च, यात्रा, नींद में बाधा और भविष्य की चिंता हो सकती है। यह फ़िज़ूलखर्ची घटाने, आर्थिक योजना बनाने और स्वास्थ्य का ध्यान रखने का अच्छा समय है।

दूसरा चरण (चंद्र राशि पर शनि): यह सामान्यतः सबसे कठिन चरण होता है। काम का दबाव, भावनात्मक तनाव और धीमे परिणाम आम हैं। धैर्य, अनुशासन और शांत दिनचर्या आपको पार ले जाते हैं, और यही चरण अक्सर आगे की सफलता की नींव रखता है।

तीसरा चरण (चंद्रमा से दूसरे भाव में शनि): पारिवारिक ज़िम्मेदारियाँ और आर्थिक मामले केंद्र में आते हैं। सोच-समझकर बोलना, बचत करना और ईमानदार व्यवहार राहत देते हैं। चरण के अंत के साथ प्रभाव धीरे-धीरे हल्के होते जाते हैं।

ढैया (छोटी पनौती) तब होती है जब शनि चंद्रमा से चौथी या आठवीं राशि से गुज़रता है। चौथी राशि घर और संपत्ति की चिंताएँ लाती है; आठवीं स्वास्थ्य और अचानक बाधाओं में सावधानी माँगती है। हर ढैया लगभग ढाई वर्ष चलती है।

पारंपरिक उपाय

पारंपरिक उपाय: शनिवार को हनुमान चालीसा या शनि स्तोत्र का पाठ करें; शनिवार की शाम पीपल के पेड़ के नीचे तिल के तेल का दीपक जलाएँ; ज़रूरतमंदों को काले तिल, उड़द दाल, लोहे की वस्तुएँ, कंबल या जूते-चप्पल दान करें; बुज़ुर्गों और मेहनतकश लोगों की सेवा करें; शराब, बेईमानी और कठोर व्यवहार से बचें। ये भक्ति और दान की पारंपरिक प्रथाएँ हैं और चिकित्सा या पेशेवर सलाह का विकल्प नहीं हैं।

SAMPLE

उपाय और रत्न

सरल पारंपरिक उपाय

ये लाल किताब और लोक परंपराओं में हर ग्रह से जुड़े, व्यापक रूप से किए जाने वाले सरल उपाय हैं। ये उन ग्रहों के लिए दिए गए हैं जिन्हें आपकी कुंडली में सहारे की ज़रूरत है।

सूर्य (सोया हुआ, आपके लग्न के लिए अनुकूल नहीं)

- उगते सूर्य को जल अर्पित करें।
- पिता और बड़ों का आदर करें।
- जहाँ तक हो सके, दूसरों से मुफ़्त उपहार लेने से बचें।
- ताँबे का एक छोटा टुकड़ा अपने पास रखें या ताँबे का सिक्का बहते पानी में प्रवाहित करें।

चंद्र

- माता का आदर और सेवा करें; महत्वपूर्ण काम से पहले उनका आशीर्वाद लें।
- रात को बिस्तर के पास चाँदी की कोई वस्तु या पानी का बर्तन रखें और सुबह वह पानी किसी पौधे में डाल दें।
- सोमवार को ज़रूरतमंदों को दूध या चावल दें।
- रात में पानी के पास बेवजह यात्रा से बचें।

मंगल (आपके लग्न के लिए अनुकूल नहीं)

- मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- हनुमान मंदिर में मिठाई (जैसे गुड़) अर्पित करें।
- भाइयों से अच्छे संबंध रखें।
- क्रोध और लापरवाही से वाहन चलाने से बचें।

बुध (लाल किताब के भाव से कमज़ोर, भाव 12 में)

- गायों को हरा चारा खिलाएँ।
- बहन, बेटी और बुआ-मौसी का आदर करें।
- दाँत और नाक साफ़ रखें।
- चुगली से बचें और वादे निभाएँ।

गुरु (भाव 6 में, आपके लग्न के लिए अनुकूल नहीं)

- माथे पर केसर या हल्दी का छोटा तिलक लगाएँ।
- गुरुजनों, बड़ों और धार्मिक व्यक्तियों का आदर करें।
- पुस्तकें दान करें या शिक्षा में सहायता करें।
- अपना आचरण ईमानदार रखें।

शुक्र (भाव 12 में)

- जीवनसाथी और सामान्य रूप से स्त्रियों का आदर करें।
- शुक्रवार को चावल, दही या कपड़े जैसी सफ़ेद वस्तुएँ दान करें।
- स्वयं को और घर को साफ़ और सुगंधित रखें।
- अति-भोग से बचें।

SAMPLE

शनि

- बुज़ुर्गों और मेहनतकश लोगों की सेवा करें; गरीबों की सहायता करें।
- शनिवार को दान के रूप में सरसों का तेल चढ़ाएँ।
- शनिवार को शराब और मांसाहार से बचें।
- व्यवहार में ईमानदार रहें; किसी से धोखा न करें।

राहु

- ससुराल पक्ष से अच्छे संबंध रखें।
- ज़रूरतमंदों को जौ या सरसों दान करें।
- नीले या गहरे रंग के कपड़े बहुत अधिक न पहनें।
- पलंग के नीचे की जगह साफ़ और खाली रखें।

केतु

- कुत्तों को भोजन दें या उनकी देखभाल करें।
- ज़रूरतमंद को कंबल दान करें।
- बच्चों और मामा का आदर करें।
- गणेश मंदिर में पूजा के बाद कलाई पर धागा बाँधें।

रत्न मार्गदर्शिका

परंपरा से रत्न कुंडली के किसी सहायक ग्रह को बल देने के लिए पहने जाते हैं। रत्न केवल उसी ग्रह का पहनना चाहिए जो आपके लग्न के लिए शुभ हो; परंपरा के अनुसार अशुभ ग्रह का रत्न पहनने से उसकी कठिनाइयाँ बढ़ सकती हैं। गरुड़ पुराण में रत्नों की परीक्षा (रत्न-परीक्षा) का एक प्रसिद्ध प्रसंग है, जिसमें प्राकृतिक और दोषरहित रत्नों पर ज़ोर दिया गया है। हमेशा प्रमाणित प्राकृतिक रत्न ही खरीदें, संभव हो तो कुछ दिन आज़माकर देखें, और पहनने से पहले किसी अनुभवी ज्योतिषी से सलाह लें।

चंद्र के लिए मोती (अंक 58)

कैसे पहनें	चाँदी की अंगूठी, कनिष्ठा उँगली, सोमवार सुबह
मंत्र	ॐ सोमाय नमः, 108 बार
सामान्य वज़न	4 से 7 कैरेट
क्यों	सम राशि; भाव 9 में (केंद्र/त्रिकोण)

बुध के लिए पन्ना (अंक 68)

कैसे पहनें	सोने या काँसे की अंगूठी, कनिष्ठा उँगली, बुधवार सुबह
मंत्र	ॐ बुधाय नमः, 108 बार
सामान्य वज़न	3 से 6 कैरेट
क्यों	इस लग्न के लिए कारक शुभ ग्रह; मित्र राशि; भाव 12 में (दुःस्थान)

शुक्र के लिए हीरा या सफ़ेद पुखराज (अंक 75)

कैसे पहनें	चाँदी या प्लैटिनम की अंगूठी, मध्यमा या अनामिका उँगली, शुक्रवार सुबह
मंत्र	ॐ शुक्राय नमः, 108 बार
सामान्य वज़न	0.5 से 1 कैरेट (हीरा)
क्यों	इस लग्न के लिए कारक शुभ ग्रह; स्वराशि; भाव 12 में (दुःस्थान)

शनि के लिए नीलम (अंक 78)

कैसे पहनें	चाँदी या पंचधातु की अंगूठी, मध्यमा उँगली, शनिवार शाम; पहले परीक्षण के रूप में पहनें

SAMPLE

मंत्र	ॐ शनये नमः, 108 बार
सामान्य वज़न	3 से 5 कैरेट
क्यों	इस लग्न के लिए कारक शुभ ग्रह; सम राशि; भाव 10 में (केंद्र/त्रिकोण)

राहु के लिए गोमेद (अंक 66)

कैसे पहनें	चाँदी की अंगूठी, मध्यमा उँगली, शनिवार शाम
मंत्र	ॐ राहवे नमः, 108 बार
सामान्य वज़न	5 से 8 कैरेट
क्यों	मित्र राशि; भाव 5 में (केंद्र/त्रिकोण)

केतु के लिए लहसुनिया (कैट्स आई) (अंक 60)

कैसे पहनें	चाँदी की अंगूठी, मध्यमा या कनिष्ठा उँगली, मंगलवार या गुरुवार
मंत्र	ॐ केतवे नमः, 108 बार
सामान्य वज़न	3 से 5 कैरेट
क्यों	मित्र राशि; भाव 11 में

पहनने से पहले अंगूठी को कच्चे दूध और गंगाजल (या साफ़ पानी) से धोएँ, धूप और फूल अर्पित करें, ग्रह के मंत्र का 108 बार जाप करें, और बताए गए समय पर धारण करें। यदि लगातार असहजता महसूस हो, तो उसे उतार दें।

आधार: लाल किताब परंपरा (केवल पद्धति; उपाय सामान्य पारंपरिक उपाय हैं) — उपाय; गरुड़ पुराण (रत्न-परीक्षा प्रसंग) — रत्नों की परीक्षा।

SAMPLE

कृपया ध्यान से पढ़ें। ज्योतिष प्रवृत्तियाँ दिखाता है, निश्चितताएँ नहीं। इस भविष्यफल का उपयोग योजना के लिए करें, डर या जोखिम भरे निर्णयों के लिए कभी नहीं। स्वास्थ्य, धन, कानूनी या करियर संबंधी मामलों में हमेशा योग्य विशेषज्ञों से सलाह लें। गणना पूरी सावधानी से की गई है, फिर भी यह रिपोर्ट किसी भी प्रकार की स्पष्ट या निहित गारंटी या वारंटी के बिना दी जाती है। किसी भी महत्वपूर्ण निर्णय से पहले अपने ज्योतिषी से सलाह अवश्य लें।

SAMPLE

स्रोत और अस्वीकरण

इस रिपोर्ट के फलादेश नीचे दिए शास्त्रीय ग्रंथों के सिद्धांतों के आधार पर हमारे अपने शब्दों में लिखे गए हैं। संदर्भ ग्रंथ और विषय के नाम से दिए गए हैं।

- बृहत् पाराशर होरा शास्त्र (महर्षि पराशर रचित माना जाता है)
- वराहमिहिर का बृहज्जातक (छठी शताब्दी)
- कल्याणवर्मा की सारावली (लगभग 10वीं शताब्दी)
- मंत्रेश्वर की फलदीपिका (लगभग 14वीं शताब्दी)
- वैद्यनाथ दीक्षित का जातक पारिजात (लगभग 15वीं शताब्दी)
- कालिदास का उत्तर कालामृत
- नारायण भट्ट का चमत्कार चिंतामणि
- पृथुयशस का होरासार
- रामदैवज्ञ का मुहूर्त चिंतामणि
- गरुड़ पुराण (रत्न-परीक्षा प्रसंग)
- नीलकंठ की ताजिक नीलकंठी (वर्षफल)
- लाल किताब परंपरा (केवल पद्धति; उपाय सामान्य पारंपरिक उपाय हैं)

SAMPLE